

01 अप्रैल 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

स्वास्थ्य:

1. भारत की एचआईवी/एड्स प्रतिक्रिया का एआरटी:

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. सम्पूर्ण भारत से रिकॉर्ड 60 पारंपरिक उत्पादों को जीआई टैग प्रदान किया गया:
2. कैसे तंत्रिका विज्ञान भारत में मार्केटिंग रणनीतियों को नया आकार दे रहा है:

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

संपादकीय-द हिन्दू

संपादकीय:

भारत की एचआईवी/एड्स प्रतिक्रिया का एआरटी:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

स्वास्थ्य:

विषय: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

मुख्य परीक्षा: एचआईवी प्रतिक्रिया के विरुद्ध भारत की सफलता का कारक।

विवरण:

- 1 अप्रैल, 2004 को एचआईवी/एड्स के प्रति भारत की प्रतिक्रिया में एक महत्वपूर्ण क्षण आया, जब एचआईवी (पीएलएचआईवी) के साथ रहने वाले व्यक्तियों के लिए मुफ्त एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी (Antiretroviral Therapy (ART)) की शुरुआत की गई।
- यह पहल भारत में एचआईवी/एड्स महामारी से निपटने, भय, कलंक और उपचार तक सीमित पहुंच की चुनौतियों का समाधान करने में सहायक रही है।

निःशुल्क एआरटी का विकास:

- 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक की शुरुआत में एंटीरेट्रोवायरल दवाओं के उद्भव के बावजूद, इस दवा की पहुंच मुख्य रूप से उच्च आय वाले देशों तक ही सीमित रही।
- 2002 में स्थापित वैश्विक कोष ने एड्स, तपेदिक और मलेरिया से लड़ने के लिए एचआईवी की रोकथाम और उपचार तक सार्वभौमिक पहुंच की वकालत की।
- वर्ष 2004 तक, भारत में अनुमानित 5.1 मिलियन पीएलएचआईवी थे, लेकिन उच्च लागत और सीमित उपलब्धता के कारण केवल एक अंश को एआरटी प्राप्त हुआ।

निःशुल्क एआरटी का कार्यान्वयन और प्रभाव:

- भारत में मुफ्त एआरटी की पेशकश करने का निर्णय अभूतपूर्व था, जिससे वयस्कों और बाद में बच्चों के लिए उपचार की पहुंच बढ़ गई।

- दो दशकों में, एआरटी केंद्रों की संख्या 10 से भी कम से बढ़कर लगभग 700 हो गई, जो लगभग 1.8 मिलियन पीएलएचआईवी को सेवा प्रदान करती है।
- इस पहले ने न केवल उपचार शुरू किया, बल्कि कम वायरल लोड को बनाए रखने पर भी ध्यान केंद्रित किया, जिसके परिणामस्वरूप एचआईवी के प्रसार में गिरावट आई और नए संक्रमणों में महत्वपूर्ण अंतर आया।

रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण और चल रही चुनौतियाँ:

- मुफ्त एआरटी के साथ-साथ, भारत ने मुफ्त निदान सेवाओं और माता-पिता से बच्चे में संचरण की रोकथाम जैसी पूरक पहलों को लागू किया।
- इस कार्यक्रम ने एआरटी पात्रता मानदंड विकसित करके और 2017 के बाद से 'सभी के साथ व्यवहार करें' दृष्टिकोण अपनाकर लचीलेपन का प्रदर्शन किया।
- उल्लेखनीय उपलब्धियों के बावजूद, चुनौतियाँ बनी हुई हैं, जिनमें देरी से नामांकन, उपचार में रुकावट के कारण पालन संबंधी समस्याएं, एआरटी की निरंतर आपूर्ति और उपलब्धता सुनिश्चित करना, निजी क्षेत्र की भागीदारी और अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों के साथ एकीकरण शामिल हैं।

भविष्य की दिशाएँ और महत्वाकांक्षी लक्ष्य:

- भारत के राष्ट्रीय एड़स नियंत्रण कार्यक्रम चरण 5 का लक्ष्य 2025 तक नए एचआईवी संक्रमण और एड़स से संबंधित मृत्यु दर को और कम करना है।
- महत्वाकांक्षी लक्ष्यों में यह सुनिश्चित करना शामिल है कि 95% पीएलएचआईवी अपनी स्थिति जानें, निरंतर एआरटी प्राप्त करें और वर्ष 2025 तक वायरल का शमन हासिल करें।
- इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए देरी से नामांकन को संबोधित करने, अनुपालन में सुधार, एआरटी आपूर्ति को बनाए रखने, निजी क्षेत्र की भागीदारी, कर्मचारियों के प्रशिक्षण और अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों के साथ एकीकरण जैसी चुनौतियों से निपटने की आवश्यकता है।

सफलता के कारक और सीखे गए सबक:

- राजनीतिक इच्छाशक्ति, निरंतर वित्त पोषण, सामुदायिक सहभागिता और सेवा वितरण में संशोधन मुफ्त एआरटी पहल की सफलता के लिए महत्वपूर्ण थे।
- यह पहल सभी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने और भारत में अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों का मार्गदर्शन करने के लिए एक मॉडल के रूप में कार्य करती है।
- एआरटी पहल के सबक मुफ्त हेपेटाइटिस सी उपचार जैसी राष्ट्रब्यापी पहलों के शुभारंभ को सूचित कर सकते हैं और रोग उन्मूलन की दिशा में प्रगति में तेजी ला सकते हैं।

सारांश:

- वर्ष 2004 में मुफ्त एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी (एआरटी) की शुरुआत से एचआईवी/एड्स के प्रति भारत की प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण साबित हुई। दो दशकों में, इस पहल ने पहुंच का विस्तार किया, रोग के प्रसार को कम किया और महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए, जो भविष्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयासों के लिए सबक प्रदान करते हैं।

प्रीलिम्स तथ्य:

1. सम्पूर्ण भारत से रिकॉर्ड 60 पारंपरिक उत्पादों को जीआई टैग प्रदान किया गया:

संदर्भ:

- बनारस ठंडई सहित भारत के विभिन्न क्षेत्रों के 60 से अधिक उत्पादों को प्रतिष्ठित भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्राप्त हुआ है।

सम्बन्धित जानकारी:

- यह एक साथ इतनी बड़ी संख्या में उत्पादों को जीआई टैग दिए जाने का पहला उदाहरण है, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की बढ़ती मान्यता को दर्शाता है।

- जीआई टैग प्राप्तकर्ताओं में असम के छह पारंपरिक शिल्प शामिल हैं, जैसे अशरिकंडी टेराकोटा शिल्प (Asharikandi terracotta) और बिहू ढोल (Bihu dhol)।
- असम में तेरह अन्य उत्पाद हैं, जिनमें प्रतिष्ठित बोडो दोखोना और बोडो एरी रेशम शामिल हैं, जो शांति के साथ जुड़ाव के लिए जाने जाते हैं।
- असम के मुख्यमंत्री, हिमंत बिस्वा सरमा ने इस उपलब्धि को राज्य की विरासत के लिए एक महत्वपूर्ण जीत बताया, और इन उत्पादों से हजारों लोगों को आजीविका का समर्थन मिलने की बात कही।
- गहरी सांस्कृतिक जड़ों वाला एक प्रिय पेय, बनारस ठंडाई को भी जीआई टैग दिया गया है, जिससे इसका सांस्कृतिक महत्व और बढ़ गया है।

महत्व:

- त्रिपुरा और मेघालय जैसे अन्य क्षेत्रों ने भी भारत के विविध सांस्कृतिक परिदृश्य को रेखांकित करते हुए अपने अद्वितीय उत्पादों के लिए जीआई टैग हासिल किया है।

2. कैसे तंत्रिका विज्ञान भारत में मार्केटिंग रणनीतियों को नया आकार दे रहा है:

संदर्भ:

- मस्तिष्क संकेतों के माध्यम से सहज उपकरण नियंत्रण के लिए डिज़ाइन किए गए एलोन मस्क के न्यूरालिंक इम्प्लांट ने तंत्रिका विज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर ध्यान आकर्षित किया है।

सम्बन्धित जानकारी:

- हालांकि इस तरह के प्रत्यारोपण अप्रचलित हैं, भारत बाजार अनुसंधान और समस्या-समाधान के लिए तंत्रिका विज्ञान को अपना रहा है।
- मस्तिष्क की प्रतिक्रियाओं को मैप करके, व्यवसाय उपभोक्ता व्यवहार में अंतर्दृष्टि प्राप्त करते हैं, उत्पाद डिजाइन से लेकर विज्ञापन रणनीतियों तक निर्णय लेने में सहायता करते हैं।

- इम्प्लसिट एसोसिएशन टेस्ट जैसी तकनीकें अवधेतन मान्यताओं में गहराई से उत्तरती हैं, जो पारंपरिक सर्वेक्षणों के माध्यम से अप्राप्य मूल्यवान डेटा प्रदान करती हैं।
- गोपनीयता और सहमति के बारे में नैतिक चिंताओं के बावजूद, तंत्रिका विज्ञान-आधारित अनुसंधान तेजी से व्यावसायिक रणनीतियों को आकार दे रहा है।
- भारत में, कंपनियां उपभोक्ता व्यवहार की जानकारी के लिए किफायती जैव उपकरणों और डिजिटल उपकरणों का लाभ उठाती हैं।
- विज्ञापन में सांस्कृतिक बारीकियों को समझने से लेकर जटिल व्यावसायिक चुनौतियों को हल करने तक, तंत्रिका विज्ञान मानव निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

महत्व:

- हालाँकि, संभावित दुरुपयोग और नैतिक प्रभावों के बारे में चिंताएं मौजूद हैं, जबकि तंत्रिका विज्ञान का बढ़ता उपयोग एक ऐसे भविष्य की शुरुआत करता है जहां डेटा-संचालित अंतर्दृष्टि अभूतपूर्व सटीकता और गहराई के साथ व्यावसायिक निर्णयों को सूचित करती है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:**प्रश्न 1. भारत में वित्त आयोग के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

- I. वित्त आयोग भारतीय संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत स्थापित एक स्थायी संवैधानिक निकाय है।
- II. आयोग की सिफारिशें केंद्र सरकार के लिए बाध्यकारी हैं।
- III. इसकी प्राथमिक भूमिका केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच कर राजस्व के वितरण की सिफारिश करना है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: a

प्रश्न 2. भारत में केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: सीडब्ल्यूसी भारत में जल संसाधन प्रबंधन के लिए जिम्मेदार एक स्वतंत्र नियामक निकाय है।

कथन II: सीडब्ल्यूसी देश भर की नदियों के जल विज्ञान संबंधी डेटा की निगरानी करती है।

कथन III: सीडब्ल्यूसी के पास अंतरराज्यीय जल बंटवारे समझौतों के लिए मंजूरी देने का अधिकार है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: a

प्रश्न 3. भारत में भौगोलिक संकेत (GI) टैग के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: जीआई टैग एक विशेष भौगोलिक मूल वाले उत्पादों को प्रदान किए जाते हैं और उस मूल के लिए एक विशेष गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या विशेषता रखते हैं।

कथन II: केवल कृषि उत्पाद ही जीआई टैग पंजीकरण के लिए पात्र हैं।

कथन III: जीआई का पंजीकरण स्थायी है और इसके नवीनीकरण की आवश्यकता नहीं है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

- (a) केवल II
- (b) केवल I

- (c) केवल I और III
- (d) केवल II और III

उत्तर: b

प्रश्न 4. भारत रत्न पुरस्कार के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

- कथन 1: यह भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है, जो सरकार में असाधारण सेवा/प्रदर्शन के लिए दिया जाता है।
- कथन 2: भारत रत्न के लिए नामांकन भारत का कोई भी नागरिक कर सकता है।
- कथन 3: भारत रत्न केवल भारत के नागरिक को ही दिया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) सभी 3
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: d

प्रश्न 5. भारत में निम्नलिखित में से कौन मुद्रास्फीति को नियंत्रित कर कीमत स्थिरता बनाये रखने के लिए उत्तरदायी हैं ?

- (a) उपभोक्ता मामले विभाग
- (b) व्यय प्रबंधन आयोग
- (c) वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद्
- (d) भारतीय रिजर्व बैंक

उत्तर: d

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. भारत में एचआईवी/एड्स महामारी से निपटने में सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की भूमिका पर चर्चा कीजिए साथ ही प्रभावित समुदायों के सामाजिक-आर्थिक पहलुओं पर मुफ्त एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी (ART) शुरू करने के प्रभाव का मूल्यांकन भी कीजिए। (10 अंक 150 शब्द) (सामान्य अध्ययन - II, स्वास्थ्य) (Discuss the role of public health policy and international collaboration in addressing the HIV/AIDS epidemic in India. Evaluate the impact of introducing Free Antiretroviral Therapy (ART) on the socio-economic aspects of affected communities. (10 marks 150 words) (General Studies – II, Health))

प्रश्न 2. भारत में गंभीर जल संकट में योगदान देने वाले कारकों की जाँच कीजिए। भविष्य के संकटों को कम करने के लिए टिकाऊ जल प्रबंधन के लिए व्यापक रणनीतियों का सुझाव दीजिये। (10 अंक 150 शब्द) (सामान्य अध्ययन - III, पर्यावरण) (Examine the factors contributing to the acute water crisis in India. Suggest comprehensive strategies for sustainable water management to mitigate future crises. (10 Marks 150 words) (General Studies – III, Environment))

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर BYJU'S की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)